

प्रेषक,

टीकम सिंह पवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून, दिनांक 26 मार्च, 2007

विषय: अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2006-07 में योजना की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 8038/मुअवि/बजट/बी-1 योजना दि० 19.9.07 एवं पत्र संख्या 7055/मुअवि/बजट/बी-1 योजना दि० 3.10.06 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत सलग्नक में अंकित योजनाएँ रु० 130.74 लाख लागत के आगणनों की टी०ए०सी० द्वारा तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु० 127.20 लाख (रुपये एक करोड़ सताईस लाख बीस हजार मात्र) की लागत के आगणनों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व इन योजना के आगणन पर सक्षम अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
- 2- उक्त कार्य के निष्पादन में वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्वेज रूल्स, टेण्डर विषयक नियम, मिश्रव्ययता के सम्बन्ध में आदेश एवं शासन द्वारा इस विषय में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का पालन किया जाय।
- 3- स्वीकृत की जा रही योजना का कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाय।
- 4- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 5- आगणन में उल्लिखित दरे जो शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हैं, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 6- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जानी होगी बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ नहीं किया जायेगा।
- 7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- उक्त अनुमोदित लागत के विपरीत धनराशि का व्यय आवश्यकतानुसार निवर्तन पर रख गयी धनराशि से ही प्लान आउट ले की सीमा में किया जायेगा।

- 9- एक मुस्त प्राविधान पर कार्य करने से पूर्व निस्तृत आगणन मठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक होगी।
- 10- कार्य करने से पूर्व तकनीकी दृष्टिकोण से समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर सिंचाई विभाग की प्रवर्तित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य सुनिश्चित किया जायेगा।
- 11- कार्य करने से पूर्व स्थल का भू-भार-भार निरीक्षण उच्चाधिकारियों से आवश्यक करा ले निरीक्षण के पश्चात स्थलीय आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 12- निर्माण सामग्री प्रयोग में लेने से पूर्व किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करवाकर उपयुक्त पायी जाने पर ही सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 13- यह सुनिश्चित किया जाय कि योजना का लाभ अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को प्राप्त हो।
- 14- उक्त प्रशासकीय स्वीकृति पर धनग्रहण विभाग/व्यय द्वारा उनके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि से प्लान आऊटले के अन्तर्गत ही किया जायेगा।

2- यह आदेश वित्त विभाग के आशासकीय संख्या-2243/XXVII(2)/2007 दिनांक 23.3.07 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न: यथोक्त

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव।

संख्या:- 942/11-2007-03(11)/05 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 सिंचाई मंत्री जी उत्तराखण्ड को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. महासंस्थाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
3. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, चमोली, उत्तरकाशी, नैनीताल
5. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
6. निर्देशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. अधिवासी निर्देशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड।
8. कजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निर्देशालय देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

संलग्न: यथोक्त

(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव।

